



## बढ़ते हवाई यातायात के बीच विमानन क्षेत्र को मज़बूत करने के उपाय

### संदर्भ

- नवीनतम आकड़ों के अनुसार विमानन क्षेत्र में घरेलू यात्री दबाव पहली बार 90 प्रतिशत से अधिक हो गया है। एयरबस ने घरेलू यात्रियों के अगले 20 वर्षों में छः गुना बढ़ने का अनुमान लगाया है।

### महत्त्वपूर्ण बृद्धि

- 2016 में सरकार ने उन क्षेत्रों जहाँ अभी तक विमान सेवा नहीं शुरू नहीं हुई है, को जोड़ने के लिये राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति और उड़ान (UDAN) (उड़ें देश का आम नागरिक) की रूपरेखा तैयार की।
- 1990 के दशक के आरंभ से नियामकीय सुगमता और बढ़ती आय के स्तर ने भारत को दुनिया में नंबर 3 घरेलू नागरिक विमानन बाज़ार बनने में मदद की।
- कति यहाँ आश्चर्यजनक परिप्रेक्ष्य भी परलक्षित होते हैं जैसे- देश की आबादी का 95 प्रतिशत या 100 करोड़ से अधिक लोग अभी भी हवाई सफर नहीं कर पाए हैं।
- अब तीव्र गति से हो रहे विकास ने कई एयर पॉकेट के बनने का कारण उत्पन्न किया है और पाँच सहूलयितें भविष्य के लिये उड़ान मार्ग को सुगम बनाने हेतु अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो गई हैं।

### 1. लुमगि क्षमता की कमी का समाधान करना

- कई प्रमुख हवाई अड्डे संतृप्ति (saturation) स्तर के आस-पास परचालित हो रहे हैं। इसलिये इनकी क्षमता को युद्धस्तर पर आगे बढ़ाने की ज़रूरत है।
- अनुमान है कि अगले 15-20 वर्षों में इस क्षेत्र में 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की आवश्यकता होगी।
- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) ने इस वर्ष से शुरू होने वाले पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) के लिये 1,500 करोड़ रुपए की सावधि ऋण की मांग की है जो आवश्यकताओं के अनुरूप कम प्रतीत होता है।
- इस संदर्भ में सार्वजनिक नज़ि साझेदारी (पीपीपी) की तरफ बढ़ना ज़रूरी है, इससे हवाई अड्डे के बुनियादी ढाँचे के विकास में गति आएगी और तेज़ी से सुवधिएँ बेहतर होंगी।

### 2. क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को पोषित करना

- यद्यपि उड़ान योजना ने कुछ हवाई मार्गों को परचालित कराया है फिर भी कई अन्य ऐसे मार्ग हैं जहाँ सेवाएँ अभी तक शुरू नहीं हुई हैं।
- यह सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण है कि बोली प्रक्रिया के बाद के परिणामों की पर्याप्त निगरानी हो।
- असुरक्षित हवाई अड्डों, विशेष रूप से उच्च मांग वाले मार्गों में निवेश को प्राथमिकता देना भी महत्त्वपूर्ण है।
- समुद्री विमान (Seaplane) सेवाओं की शुरुआत करना निश्चित रूप से एक अनूठा विचार है इससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को आगे बढ़ाने की उम्मीद की जा सकती है।
- हालाँकि समुद्री विमान शुरू करने के लिये समर्पित पायलट प्रशिक्षण सुवधियों की आवश्यकता है।
- साइट लैंडिंग स्थानों पर सावधानी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि समुद्री विमानों को सभी प्रकार के जल नकियों से संचालित नहीं किया जा सकता है।

### 3. वविकपूर्ण ढंग से नज़ीकरण करना

- पीपीपी मोड के बावजूद क्षमता बढ़ाने और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को सुवधित करने के लिये कैपेक्स (capex) की आवश्यकता होती है।
- इस प्रकार, मौजूदा परचालन और रखरखाव (O & M) आवश्यकताओं की बजाय हवाई अड्डों के भौतिक विकास पर सरकार को अधिक ध्यान देना चाहिये।
- O & M ज़रूरतों को पीपीपी मोड के माध्यम से हल किया जा सकता है।
- वदियों से प्राप्त अनुभव के आधार पर O & M का पूर्ण नज़ीकरण हमेशा हवाई अड्डे के लिये अच्छा नहीं होता है। इसका उदाहरण लंदन में हीथ्रो हवाई अड्डा है।
- जयपुर और अहमदाबाद हवाई अड्डे के लिये एएआई द्वारा बार-बार बोली आमंत्रण प्राधिकरण और बोलीदाताओं की अपेक्षाओं के बीच वषिमताओं का संकेत देता है।
- इसलिये यह सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण है कि उपयोगकर्त्ता नज़ी प्लेयर और प्राधिकरण के हितों के बीच संतुलन बना रह सके।

#### 4. अंतरराष्ट्रीयकरण

- वर्तमान में 38 प्रतिशत यात्री भारत के घरेलू हवाई जहाजों से उड़ान भर रहे हैं।
- 2016 में लागू हुए '0/20' नियम के अनुसार घरेलू हवाई जहाजों को विदेश में उड़ान भरने के योग्य होने के लिये 20 विमानों का न्यूनतम बेड़ा आकार रखना अनिवार्य है, जो उड़ान भरने के लिये एक बहुत बड़ा अवसर प्रदान करता है।
- कम लागत वाले मॉडल, जो इंजिनों और स्पाइसजेट की सफलता की आधारशिला है, भी विदेशों में उड़ान भर रहे हैं।
- द इकोनॉमिस्ट की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि लंदन-न्यूयॉर्क यातायात के पूर्ण-सेवा प्रदान करने वाले जहाजों का हिस्सा इस साल 98% से घटकर 90% होने का अनुमान है क्योंकि कम लागत वाले हवाई जहाजों पर अधिक संख्या में लोग हवाई यात्रा करते हैं।

#### 5. स्वदेशी तकनीकी क्षमता का निर्माण

- वर्तमान में घरेलू जहाजों के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (MRO) का 90 प्रतिशत काम भारत के बाहर किया जाता है।
- अगले 20 वर्षों में 2,100 भारतीय विमानों की मांग के बोइंग के पूर्वानुमान को देखते हुए भारत में MRO पर महत्वपूर्ण लागत प्रतिस्पर्धात्मक हो सकती है।